



# Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai

Conducted

**MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI**

धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : [jaineducationboard.org](http://jaineducationboard.org)

E-mail : [jainshikshanboard@gmail.com](mailto:jainshikshanboard@gmail.com)

१६ जुलाई २०२३ – जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ३ से ६

## श्रेणी-४

|                |  |                        |  |
|----------------|--|------------------------|--|
| Student Name   |  | Roll No.               |  |
| Date of Birth  |  | Mobile No.             |  |
| Sangh Name     |  | Supervisor Name        |  |
| Jainshala Name |  | Supervisor's Signature |  |

### Marks

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | Total |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|-------|
|   |   |   |   |   |   |   |   |   |    |       |

### प्रश्न.१ सूत्र विभाग

(अ) पाठ पूर्ति करो।

(२०)

- (१) सल्लकतणं, ....., ....., ....., ....., अवितहमविसंधि
- (२) कामगुणेहिं, ....., ....., ....., ....., फासेणं
- (३) छीए, ....., ....., ....., ....., सोवणवत्तियाअे
- (४) माणं उण्हं, ....., ....., ....., ....., माणं दंसा
- (५) चंदेसु, ....., ....., ....., ....., सागरवर
- (६) जं वाइघं, ....., ....., ....., ....., विणयहीणं
- (७) पित मुच्छाए, ....., ....., ....., ....., आगारेहिं
- (८) लेसिया, ....., ....., ....., ....., उद्विया
- (९) कलह, ....., ....., ....., ....., माया मोसो
- (१०) सिंघाणेसुवा, ....., ....., ....., ....., सुक्केसुवा

(ब) साचो जवाब शोधीने लखो।

(१०)

(जाणी जोइने इरादापूर्वक, जैन धर्मने विषे शंका करवी, परिचय करवो, दर्शन यर्थाथ श्रध्दा, मरणनी इच्छा करे, अति आसक्त भाव राख्यो होय, चोरने मदद करी होय, जमीन संबधी झुठ, पाताळ कळशा समान मोटा, रोग रहित)

- |                          |                   |
|--------------------------|-------------------|
| (१) आकुट्टि .....        | (६) पेयाला .....  |
| (२) संधवो .....          | (७) भौमालिक ..... |
| (३) मरणा संसप्पओगे ..... | (८) मरुय .....    |
| (४) अइरते .....          | (९) दंसण .....    |
| (५) तक्करप्पआगे .....    | (१०) संका .....   |

(क) जोडका जोडो।

(०५)

- |                |                      |                          |
|----------------|----------------------|--------------------------|
| (१) मोणेणं     | <input type="text"/> | (१) चिंतन करवा माटे      |
| (२) तिन्नाणं   | <input type="text"/> | (२) आचरवा योग्य नहिं     |
| (३) चिंतवनार्थ | <input type="text"/> | (३) अक्षर ओछा भणायो होय  |
| (४) अणायारो    | <input type="text"/> | (४) भवरुप समुद्रने तरनार |
| (५) हीणक्खरं   | <input type="text"/> | (५) वचन द्वारा मौन रहीने |

(ख) नीचेना प्रश्नोनां जवाब लखो।

(०५)

- (१) प्रतिक्रमण सूत्रना केटला आवश्यक छे ? क्या क्या ? (०२)
- 
- (२) प्रतिक्रमणनां चोथा (4th) पाठनुं अने पांचमां (5th) पाठनुं नाम शुं छे ? (०२)
- 
- (३) व्रतमां लागेला (लागवावाळा) दोषो ने शुं कहे छे ? (०१)
-

(ग) नीचेनामां क्यो अतिचार लागे ते कहो? (०५)

(१) हाथीना दांत आदिना वेपारथी \_\_\_\_\_

(२) दुष्टभावथी ज्ञान लीधुं होय तो \_\_\_\_\_

(३) गुरु पासे वंदना कर्या विना पाठ लेवाथी \_\_\_\_\_

(४) वृद्धो पासे काम कराववाथी \_\_\_\_\_

(५) सामायिकमां दोडा दोडी करवाथी \_\_\_\_\_

घ) मात्र आंकडामां जवाब लखो। (०५)

(१) पहेला व्रतनी कोटि केटली?

(२) प्रतिक्रमण ना प्रकार केटला?

(३) सामायिकना अतिचार केटला?

(४) शिक्षाव्रत केटला छे?

(५) पापनां पगथियां केटला?

प्र. २) साचो जवाब शोधीने लखो। (०६)

(१) ध्यान  (१, १३, २, ४)

(२) १६ मो बोल  (द्रष्टि, आत्मा, दंडक, शरीर)

(३) समकित  (४, ५, १५, ६३)

(४) २१ मां बोल  (रस, राशि, प्रमाण, काळ)

(५) योग  (१५, २३, १४, १२)

(६) रसेन्द्रियना विषय  (५, १०, १५, २०)

(ब) साचुं छे के खोटुं

(०६)

- (१) पांच इन्द्रियना विषय २३ छे.
- (२) नव तत्त्वना जाणपणानां ११५ बोल छे.
- (३) छ द्रव्यनां १४ बोल छे.
- (४) पांखडीनां ५६३ भेद छे.
- (५) तेरमे बोले गुणस्थानक १४ छे.
- (६) नवमे बोले उपयोग १२ छे.

(क) खोटाने (Circle) करो।

(०६)

- (१) आयुष्य, नाम, आहारक, गोत्र
- (२) पृथ्वीकाय, अपकाय, अकेन्द्रिय, तेउकाय
- (३) आहार, शरीर, अव्रत, इन्द्रिय
- (४) ज्ञान, दर्शन, तप, देव
- (५) धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय, आकाशास्तिकाय, स्थापना
- (६) स्थिति, उणोदरी, वैयावच्च, अणशन

(ड) जोडकां जोडो।

(०५)

- (१) शरीर नाशथी \_\_\_\_\_ (१) मान
- (२) आनंद माणवाथी \_\_\_\_\_ (२) क्रोध
- (३) नम्रता \_\_\_\_\_ (३) समयनी बरबादी
- (४) क्षमा \_\_\_\_\_ (४) मोहनीय कर्म
- (५) टीवी जोवाथी \_\_\_\_\_ (५) अशुभ नाम कर्म

(ई) जवाब लखो।

(०७)

(१) फटाकडामां क्यो पृथ्वीकाय वपराय छे ?

---

(२) जीवोनां अंगोपांग नाशथी कयुं कर्म बंधाय छे ?

---

(३) शेमां जीव छे अेवुं जैन धर्म माने छे ?

---

(४) कया कर्मना फळ रुपे धरतीकंप, वावाझोडुं वगेरेमां जीवो अेक साथे मृत्यु पामे ?

---

(५) हुं कोण छुं ? मारामां अनंतु सुख रहेलुं छे ?

---

(६) कोईनुं क्यारेय कायम टकतुं नथी ते शुं ?

---

(७) मारा कारणे वेर-झेर उभा करे छे ?

---

प्र.३) नीचेना प्रश्नोनां जवाब अेकज शब्दमां लखो। (१०)

- (१) मेघरथ राजाअे अेक पल्लामां कोने बेसाड्युं? \_\_\_\_\_
- (२) रोहिणेय चोर कयां रहेतो हतो? \_\_\_\_\_
- (३) रत्नकंबल कोणे खरीदया? \_\_\_\_\_
- (४) भद्रामाता अे स्वप्नमां शुं जोयुं? \_\_\_\_\_
- (५) धर्मरुचि अणगार नो अधिकार कया आगम (सूत्र) मां आवे छे? \_\_\_\_\_
- (६) धर्मरुचि नो आत्मा मरीने कया उत्पन्न थयो? \_\_\_\_\_
- (७) संगमे जैन साधुने शुं वहोराव्युं? \_\_\_\_\_
- (८) शांतिनाथ भगवाननो जीव माताना गर्भमां आवतां कयो रोग शांत थयो? \_\_\_\_\_
- (९) श्रेणिक राजानां मंत्रीनुं नाम शुं हतुं? \_\_\_\_\_
- (१०) धर्मरुचि अणगारे कोनी करुणा (दया) पाळी? \_\_\_\_\_

प्र.४) काव्य पूर्ति करो (Any 5) (१०)

- (१) आयुष्य घटतुं ..... नव मटे
- (२) मृगनयणी सम ..... गूढे अति
- (३) आत्मा नथी ..... स्वादथी
- (४) हुं कामधेनुं ..... आ संसारमां
- (५) वळी ईक्षुकार ..... दोय कुमार
- (६) नमुं अनंत ..... धर्मनी शीर